फ़तह

ATS VALLEY SCHOOL
EXPLORE LEARN LEAD

हिंदी की मासिक पत्रिका

कल्पना और फ़तह का जन्मदिन

सितंबर-अक्टूबर 2022)

प्यारे बच्चों

हिंदी की मासिक पत्रिका फ़तह ने एक साल की यात्रा को पूरा कर लिया है। यह सब आपके सहयोग से ही संभव हो पाया है। फ़तह के पिछले एक वर्ष के सफ़र को रचनात्मक बनाने का श्रेय आप सभी को जाता है। फ़तह की सालगिरह के अवसर पर कल्पना और पत्रिका की यादों की झाँकी को काव्यात्मक और चित्रात्मक रूप में आपके साथ साँझा किया जा रहा है।

'फ़तह' की सालगिरह और कला और विज्ञान प्रदर्शनी- 'कल्पना'

सितंबर 2021 को मैंने ए टी एस विद्यालय में जन्म पाया,
बच्चों को रचनात्मक बनाने का लक्ष्य मन में समाया।
विभिन्न विषयों को लेकर मैं आई, बच्चों की अद्भुत प्रतिक्रिया पाई।
'क्या करना मना है?' और 'कूड़ेदान की व्यथा',
'परीक्षा का भय' उसके संग 'पर्यावरण की कथा'।
'माँ की ममता' और 'महिलाओं का सम्मान',
'विज्ञान की महत्ता'संग 'संस्कृतियों का ध्यान'।
'नए साल का स्वागत और जाते को अलविदा किया',
आज़ादी के अमृत महोत्सव संग जनसंख्या पर भी नियंत्रण किया।
'मेरी सुरक्षा मेरी ज़िम्मेदारी' और 'सड़क सुरक्षा के नियमों' की जानकारी,
इन सब विषयों पर बच्चों ने अपनी अद्भुत कला को निखारा, रचनात्मक बना स्वयं को
हिंदी भाषा की उपयोगिता को सँवारा।
30 सितंबर अपने संग मेरे पहले जन्मदिन की लाया बधाई,
क्षमता,ज्ञान का रचनात्मकता का प्रदर्शन लेकर उसी समय कल्पना भी संग आई।
8 अक्टूबर के दिन तब मैं फूली न समाई,
जब कल्पना की सफलता की चाँदनी हर ओर थी छाई।
बच्चों ने बखूबी रचनात्मकता संग ज्ञान और क्षमता का प्रदर्शन किया,
अपनी अद्भुत अभिव्यक्ति से सबका मन था मोह लिया।
व्यस्त थे हम कल्पना के साथ, इसलिए लेख का आमंत्रण नहीं भिजवाया,
यह न सोचना बच्चों,फ़तह ने तुम्हें था भूलाया।
सभी बच्चों का साथ मुझे बहुत भाता है,
मेरी पहली सालगिरह मनाने का श्रेय बच्चों तुम्हें ही जाता है।
कल्पना की यादों संग ये मेरे बीते वर्ष व जन्मदिन की अनुपम झाँकी है,
मेरे प्यारे बच्चों! फ़तह का सफ़र अभी बाकी है।

फ़तह

कल्पना 2022

INCREDIBLE INDIA

Colors Around Us

INCREDIBLE INDIA

INCREDIBLE INDIA

Jasnoor Aarav

जन्मदिन

फ़तह
(सितंबर 2021)
हिन्दी की मासिक पत्रिका
ATS VALLEY SCHOOL

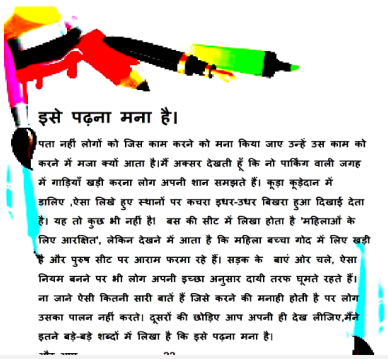
इसे पढ़ना मना है।
पता नहीं लोगों को जिस काम करने को मना किया जाए उन्हें उस काम को करने में मजा क्यों आता है।मैं अक्सर देखती हूँ कि नो पार्किंग वाली जगह में गाड़ियाँ खड़ी करना लोग अपनी शान समझते हैं। कूड़ा कूड़ेदान में डालिए ,ऐसा लिखे हुए स्थानों पर कचरा इधर-उधर बिखरा हुआ दिखाई देता है। यह तो कुछ भी नहीं है। बस की सीट में लिखा होता है 'महिलाओं के लिए आरक्षित', लेकिन देखने में आता है कि महिला बच्चा गोद में लिए खड़ी है और पुरुष सीट पर आराम फरमा रहे हैं। सड़क के बाएं ओर चले, ऐसा नियम बनने पर भी लोग अपनी इच्छा अनुसार दायी तरफ घूमते रहते हैं। ना जाने ऐसी कितनी सारी बातें हैं जिसे करने की मनाही होती है पर लोग उसका पालन नहीं करते। दूसरों की छोड़िए आप अपनी ही देख लीजिए,मैंने इतने बड़े-बड़े शब्दों में लिखा है कि इसे पढ़ना मना है।

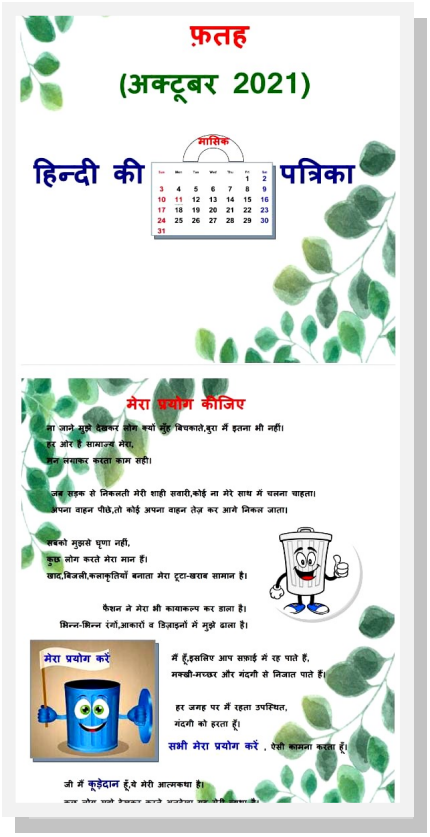
फ़तह
(अक्टूबर 2021)
हिन्दी की मासिक पत्रिका
मेरा प्रयोग कीजिए
मेरा प्रयोग करें

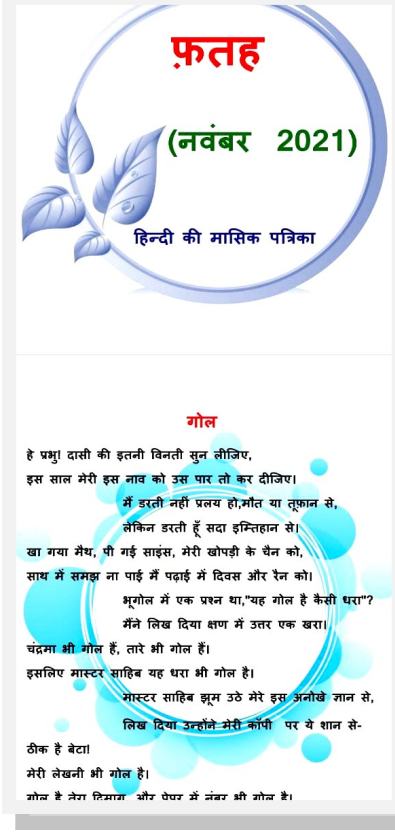
फ़तह
(नवंबर 2021)
हिन्दी की मासिक पत्रिका
गोल
हे प्रभु! दासी की इतनी विनती सुन लीजिए,
इस साल मेरी इस नाव को उस पार तो कर दीजिए।
मैं डरती नहीं प्रलय हो,मौत या तूफ़ान से,
लेकिन डरती हूँ सदा इम्तिहान से।
खा गया मैथ, पी गई साइंस, मेरी खोपड़ी के चैन को,
साथ में समझ ना पाई मैं पढ़ाई में दिवस और रैन को।
भूगोल में एक प्रश्न था,"यह गोल है कैसी धरा"?
मैंने लिख दिया क्षण में उतर एक खरा।
चंद्रमा भी गोल हैं, तारे भी गोल हैं।
इसलिए मास्टर साहिब यह धरा भी गोल है।
भास्टर साहिब झूम उठे मेरे इस अनोखे ज्ञान से,
लिख दिया उन्होंने मेरी कॉपी पर ये शान से-
ठीक है बेटा!
मेरी लेखनी भी गोल है।

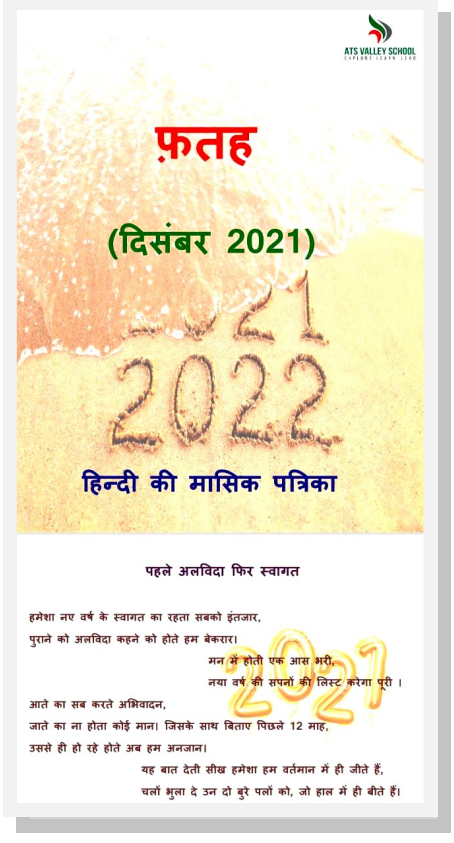
ATS VALLEY SCHOOL
फ़तह
(दिसंबर 2021)
2021
हिन्दी की मासिक पत्रिका
पहले अलविदा फिर स्वागत
हमेशा नए वर्ष के स्वागत का रहता सबको इंतजार,
पुराने को अलविदा कहने को होते हम बेकरार।
मन में होती एक आस भरी,
नया वर्ष की सपनों की लिस्ट करेगा पूरी ।
आते का सब करते अभिवादन,
जाते का ना होता कोई मान। जिसके साथ बिताए पिछले 12 माह,
उससे ही हो रहे होते अब हम अनजान।
यह बात देती सीख हमेशा हम वर्तमान में ही जीते हैं,
चलों भुला दे उन दो बुरे पलों को, जो हाल में ही बीते हैं।

ATS VALLEY SCHOOL
फ़तह
2 / 4
(जनवरी 2022)
हिंदी की मासिक पत्रिका
मेरी सुरक्षा, मेरी ज़िम्मेदारी
आदिमानव से हमने मानव रूप में विकास किया,
उन्नति को पाने का हर संभव प्रयास किया।
हमारे प्रयास ने अपना रंग जब दिखलाया,
तब धरती पर असाधारण-सा मशीनी युग आया।
पैदल चलना भूल मानव ने वाहन अपनाएं,
समय और श्रम दोनों को साथ-साथ वह बचाए।
सब ध्यान से अपने-अपने वाहन को चलाएँ,
इसके लिए सड़क सुरक्षा के विशेष नियम गए बनाए।
कब रुकना,कैसे चलना यह सब नियमों ने ज्ञान दिया,
सुरक्षा पाई उसने जिसने नियमों को जान लिया।
लेकिन लापरवाही का परिचय देकर मानव ने खुद को आज़माया।
दुखी और झकझोर देने वाली दुर्घटनाओं ने जन्म पाया।
मानव ने जल्दबाज़ी में सोचकर नियम को किया अनदेखा,
और बीच ही अपने हाथ में दुर्घटना की लाल रेखा।
दुर्घटना को कैसे रोके यह सड़क सुरक्षा नियम हमें बताते हैं,
फिर भी ना जाने उन्हें तोड़कर हम क्यों अपना मान्य आज़माते हैं।
अपनी सुरक्षा है हमारी ज़िम्मेदारी यह बात सबको समझानी है,
इसी बात के लिए 11से17 जनवरी जाती जानी है।
इस पूरे सप्ताह में हमें सिखाया जाता है,

फ़तह
ATS VALLEY SCHOOL
हिंदी की मासिक पत्रिका
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
(फरवरी 2022)
विज्ञान दिवस
आज विज्ञान का जादू चल रहा है,
हर कोई विज्ञान के आवरण में पल रहा है।
विज्ञान आधुनिकता को बढ़ा रहा है,
जीवन स्तर को चढ़ा रहा है।विज्ञान विकास को भी बढ़ा रहा है,
और 28 फरवरी को भारत फिर से विज्ञान दिवस मना रहा है।

फ़तह

ATS VALLEY SCHOOL

हिंदी की मासिक पत्रिका

अंतर्राष्ट्रीय
महिला दिवस
2022

(मार्च, 2022)

महिला दिवस

एक माँ से,
एक बहन से,
एक बेटी से,
हर एक नारी से जीवन का मोल है।
मान रखो नारी का, यह सबके लिए अनमोल है।

फ़तह

ATS VALLEY SCHOOL

हिंदी की मासिक पत्रिका

विश्व स्वास्थ्य दिवस

(अप्रैल 2022)

विश्व स्वास्थ्य दिवस

किसीके पास धन अपार है,
किसीके पास खुशहाल परिवार है,
किसीके पास अपनों का प्यार है,
किसीके पास बंगला,ज़मीन और बड़ी कार है,
लेकिन अगर नहीं अच्छा स्वास्थ्य,
तो ये सब चीजें बेकार है।
जानता यह बात हर जन है,
कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है।

फ़तह

ATS VALLEY SCHOOL

हिंदी की मासिक पत्रिका

मातृ दिवस

(मई, 2022)

दुनिया में ईश्वर का रूप है माँ,
ममता की चमकीली धूप है माँ।
त्याग का प्रथम नाम है माँ,
सभी तीर्थ व चारों धाम है माँ।

फ़तह

ATS VALLEY SCHOOL

हिंदी की मासिक पत्रिका

विश्व पर्यावरण दिवस

(जून, 2022)

स्वच्छ पर्यावरण से ही स्वस्थ जीवन का आधार,
इसलिए अधिक साइकिल चलाए और पर्यावरण बचाए।

अक्षज (4अ)

कभी दूध से बहती थी जो नदी की धार,
पुकार रही है बार-बार।
दूषित करके है मानवांक्यों कर रहा हमें लाचार?

आवया(1ब)

पर्यावरण का रखो ध्यान,
तभी बनेगा देश महान।
प्रकृति का ना करे हरण,
चलो बचाए पर्यावरण।
पर्यावरण रहे तो प्राण बचे,
वृक्ष है इसके आभूषण,
इनसे दूर होता प्रदूषण।

आरव नेगी(2अ)

प्रकृति ने इतना सुंदर दृश्य रचाया,
उसमें बसाया समझदार मानव,
प्रकृति नियमों को तोड़कर हम क्यों

फ़तह

ATS VALLEY SCHOOL

हिंदी की मासिक पत्रिका

11 जुलाई
विश्व जनसंख्या दिवस

बिना सोचे समझे इस कदर
जनसंख्या को बढ़ाओगे,
तो एक दिन बिना पानी और
भोजन के मर जाओगे।

आवया(1ब)

बढ़ती जनसंख्या का यदि रखें ख्याल,
तभी बनेगा भारत समृद्ध और खुशहाल।

रिवान डोगरा(2अ)

11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है,
जनसंख्या वृद्धि के बारे में जागरूक कराया जाता है।

नेमृत मिन(1ब)

जनसंख्या पर रोक लगाए,
देश को प्रगति पथ पर लाए।

(मायरा 2ब)

जन हैं तो जनसंख्या दिवस है,
पर जनसंख्या का हमें रखना है संतुलन,
नहीं तो हो जाएगा विश्व में असंतुलन।

अशनीन (2अ)

जनसंख्या पर रखो ध्यान,
तभी बनेगा देश महान।

जाह्नवी(7अ)

फ़तह

ATS VALLEY SCHOOL

हिंदी की मासिक पत्रिका

आज़ादी का अमृत महोत्सव

(अगस्त 2022)

आज़ादी के लिए शहीदों ने उठाया था झंडा,
आकाश में लहराता रहे हमारा तिरंगा।

कीथ हुसैन (7अ)

मुझे अपना वतन जान से प्यारा है,
सारी दुनिया में अनोखा देश हमारा है।

जोहैन (4अ)

देखो बच्चों यह झंडा प्यारा,
तीनों रंगों का मेल सारा।
रहे सदा यह झंडा ऊँचा
आकाश को रहे यह छूता।
सदा करो तुम इसका मान,
कभी ना करना इसका अपमान
झंडा ही है देश की शान,
बना रहे है यह सदा महान।

दक्ष गुलाटी (7ब)

मेरा वतन मेरी शान है,
मुझे इस पर अभिमान है।

पृशा (3ब)

मार्थो ने फांसी खाई थी,
अपनी जान दाँव पर लगाई थी।
खुद से पहले वतन का सोचा था